एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 03, अंक: 04 (जुलाई-अगस्त, 2023)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

मूंगफली में कॉलर रॉट रोग व सफेद लट से बचाव के उपाय

(*पूजा शर्मा एवं भवानी सिंह मीना)
कीट विज्ञान विभाग, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर
*संवादी लेखक का ईमेल पता: poojasharma0377@gmail.com

कॉलर रॉट रोग से बचाव

- गलकट (कॉलर रॉट) से बचाव के लिये बुवाई से पहले प्रति किलो बीज में 3 ग्राम थाईरम या 2 ग्राम मैन्कोजेब मिलाकर उपचारित करना चाहिये।
- बुवाई से 15 दिन पहले 1 किलोग्राम ट्राइकोडर्मा हरजेनियम प्रति बीघा की दर से 12–15 किलो ग्राम सड़ी हुई गोबर की खाद में मिलाकर छाया में रख दें एवं बुवाई के समय भूमि में मिला दें एवं साथ ही 62.5 किलोग्राम अरण्डी की खल प्रति बीघा की दर से बुवाई के समय भूमि में मिलायें।
- बुवाई के समय प्रति किलोग्राम बीज को 10 ग्राम ट्राईकोडर्मा हरजेनियम पाउडर से उपचारित कर बुवाई करने पर इस रोग पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

सफेद लट से बचाव

- सफेद लट के रोकथाम के लिये इमिडाक्लोप्रिड 600 एफ.एस. प्रति मूगं फली की फसल में 6.5 मि.ली. किलो बीज की दर से बीजोपचार करने से सफेद लट का प्रभावी नियंत्रण तथा मूगं फली उपज में वृद्धि होती है।
- बीजोपचार का क्रम सबसे पहले फफूदं नाशी फिर कीटनाशी व सबसे अन्त में राइजोबियम से बीजोपचार करना चाहिये। मूगं फली में राइजोबियम से बीजोपचार के लिये ढ़ाई लीटर गर्म पानी में 300 ग्राम गुड़ घोलकर ठंडा करें इसमें कल्चर पैकेट 3 (600 ग्रम) एक हैक्टर बीज के लिये अच्छी तरह घोले। तैयार घोल को बीजों पर छिड़क कर हल्के से मिलावें। जब तक बीजों पर एक समान परत न बढ़ जायें उपचारित बीजों को छाया में सुखाकर बुवाई करनी चाहिये।